रामानुजन महाविद्यालय

(NAAC द्वारा A++ ग्रेड प्रदत्त)

दिल्ली विश्वविद्यालय

एक वर्षीय मास मीडिया और फिल्म

अध्ययन डिप्लोमा पाठ्यक्रम

नामांकन

हेतु

विवरणिका

रामानुजन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

द्वारा डिप्लोमा : मास मीडिया और फिल्म अध्ययन डिप्लोमा पाठ्यक्रम (U.G.C. और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त) सत्र 2024 – 25

G – 18B, CR PARK, MAIN RD, BLOCK – H, KALKAJI, NEW DELHI - 110019

प्रवेश - प्रक्रिया

आवेदन पत्र प्राप्त करने और जमा करने की अवधि	:	15 जून 2024 से 15 अगस्त, 2024
साक्षात्कार हेतु योग्यता अनुसार वरीयता सूची प्रकाशित करने की तिथि	:	18 अगस्त, 2024
वरीयता सूची के अनुसार साक्षात्कार की तिथि	:	22 अगस्त 2024
परीक्षा फल प्रकाशन की तिथि	:	23 अगस्त, 2024
नामांकन की तिथि	:	24 अगस्त 2024 – 30अगस्त, 2024
कक्षा आरम्भ होने की तिथि	:	1 सितंबर, 2024

प्रवेश - संबंधी पूछताछ

नाम	:	अखिलेश - 9654961587 पुनीत वाजपेयी - 9654961583

जी 0-1, (मुख्य भवन) रामानुजन महाविद्यालय

आवेदन फॉर्म का शुल्क : 150 रु /

प्रवेश की अहर्ता और प्रक्रिया

किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय से बारहवीं की परीक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त अभ्यर्थी प्रवेश प्रक्रिया में सम्मिलित होने के अधिकारी होंगे। अंग्रेजी भाषा का ज्ञान और हिंदी भाषा में निपुणता। कंप्यूटर का आधारभूत ज्ञान। आवेदन फॉर्म पीडीएफ रूप में कॉलेज के वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन फॉर्म जमा करते समय आवेदन फॉर्म का शुल्क 150 रुपए भी जमा करें। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए कक्षा में 75% उपस्थिति अनिवार्य है, अन्यथा उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कक्षाएं सप्ताह में तीन दिन कॉलेज – परिसर में होंगी।

आयु सीमा

प्रत्याशी की आयु 1 जुलाई, 2024 तक कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए।

चयन प्रक्रिया

साक्षात्कार में आने वाले प्रत्याशियों को अपना मार्ग – व्यय तथा अन्य खर्चे स्वयं वहन करने होंगे।

प्रवेश समिति का निर्णय अंतिम होगा।

रोजगार की संभावनाएं :

इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत डिप्लोमा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए सरकारी तथा अन्य क्षेत्रों में अनेक संभावनाएँ हैं जिनमें समाचारपत्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, विभिन्न प्रकार की पत्रिकाएँ, समाचार एजेंसियाँ तथा संस्थान, वीडियो पत्रिकाएँ, वेवसाइड्ड-आकाशवाणी दूरदर्शन, जनसंपर्क संस्थान आदि प्रमुख हैं। कई सरकारी तथा व्यापारिक संस्थान अपनी निजी पत्रिकाएँ भी निकालते हैं, जिनमें प्रशिक्षित पत्रकारों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। समाजशास्त्रीय शोध तथा शिक्षण कार्यक्रमों में भी प्रशिक्षित पत्रकार महत्त्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं।

कंप्यूटर कक्ष :

कक्षा में सिखाए गये पेज – मेकिंग इत्यादि के अभ्यास की सुविधा कंप्यूटर कक्ष में उपलब्ध होगी।

कैमरा संचालन और प्रोडक्शन :

फिल्म निर्माण संबंधी बारीकियों को विशेषज्ञ के सान्निध्य में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पाठ्यक्रम का लक्ष्य :

इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य शिक्षार्थियों को पत्रकारिता तथा अन्य संचार माध्यमों के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना है, ताकि वे इन क्षेत्रों में कुशलता और आत्मविश्वास के साथ कार्य करने की क्षमता अर्जित कर सकें। इसके मुख्य लक्ष्य हैं शिक्षार्थियों को

हिन्दी पत्रकारिता की परंपरा से परिचित कराना,

पत्रकारिता से सम्बद्ध विभिन्न कौशलों – समाचार – संकलन, समाचार लेखन, फीचर लेखन, प्रूफ – पठन, संपादन, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों और न्यू मीडिया के विविध पहलुओं आदि का ज्ञान कराना।

व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षार्थियों को कार्य क्षेत्र का यथार्थ अनुभव कराना।

व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से उनकी क्षमताओं और संभावनाओं का विकास कराना।

फिल्म से सम्बद्ध व्यावहारिक कौशल और तकनीक विकसित करना 'भारतीय सिनेमा, हिंदी सिनेमा और विश्व सिनेमा'

शिक्षण पद्धति :

इस पाठ्यक्रम में पत्रकारिता के सैद्धांतिक – व्यावहारिक और मुख्यत: प्रायोगिक पक्षों को समेटा जाएगा। प्राध्यापकों के रूप में प्रतिष्ठित एवं अनुभवी पत्रकारों की उपस्थिति के कारण विषय के सभी पक्षों को पूरी गहराई और विस्तार से समझाना संभव होगा। सिद्धांत पक्ष की कक्षाओं के साथ ही परिचर्चाओं, व्यवसायिक, सामाजिक और कलात्मक सन्दर्भों का अनुशीलन संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, विशेषज्ञों के व्याख्यानों तथा व्यावहारिक और प्रायोगिक प्रशिक्षण के माध्यम से समग्र शिक्षण की व्यवस्था की गई है।

पाठ्यक्रमेतर गतिविधियाँ :

शिक्षार्थियों के बहुमुखी विकास के लिए अनेक पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों की योजना है। विशेष व्याख्यानों तथा संगोष्ठियों के आयोजन द्वारा उन्हें इस क्षेत्र के मूर्धन्य व्यक्तित्वों के संपर्क में आने का अवसर मिलेगा।

वाद-विवाद प्रतियोगिताओं के माध्यम से वे अपनी प्रस्तुति, विवेचन-शक्ति तथा वक्तृत्व-शक्ति को संवार सकते हैं। समय-समय पर कार्यशालाओं के आयोजन तथा संचार माध्यमों के कार्यक्षेत्रों में जाकर वे अपनी जानकारी को यथार्थ से जोड़ सकेंगे।

डिप्लोमा पाठ्यक्रम मास मीडिया और फिल्म अध्ययन

दो सत्रों में विभाजित इस पाठ्यक्रम की अवधि कुल एक वर्ष की होगी। कुल 6+2 (ए.ई.सी.) प्रश्नपत्र होंगे। सभी प्रश्नपत्र 100 अंक के होंगे।

प्रश्नपत्र की योजना निम्नलिखित क्रम में होगी :

इस एकवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के दो सेमेस्टर में कुल 8 प्रश्न पत्र होंगे :

विद्यार्थी एक माह का इंटर्नशिप स्वयं करेंगे !

सेमेस्टर-1

1.1 मास मीडियाः अवधारणा और विविध आयाम

1.2 सिनेमा सैद्धांतिकी और स्वरूप

1.3 मीडिया एवं फिल्म लेखन

सेमेस्टर-2

2.1 न्यू मीडिया जनसंचार के नए परिदृश्य

2.2 फिल्म अध्ययन नई दिशाएँ

2.3 मीडिया एवं फिल्म प्रोडक्शन

सेमेस्टर 1, प्र. पत्र 1. मास मीडियाः अवधारणा और विविध आयाम

मास मीडिया अभिप्राय एवं स्वरूप,

जन संचार की अवधारणा प्रक्रिया और प्रकार,

जनसंचार के विविध माध्यम प्रिंट माध्यम, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और नवइलेक्ट्रॉनिक माध्यम का परिचय

प्रिंट मीडिया परिचय प्रकार और उपादेयता

रेडियो इतिहास, वर्तमान और भविष्य रेडियो की विविध विधाएं, रेडियो की भाषा

टेलीविजन संक्षिप्त इतिहास, उसकी प्रमुख विधाओं का परिचय एवं प्रयुक्त भाषा के विविध आयाम, न्यू मीडिया इंटरनेट का परिचय, वर्ल्ड वाइड वेब (www), न्यू मीडिया उद्योग का परिदृश्य, वेब पत्रकारिता, न्यू मीडिया और सोशल नेटवर्क स्वरूप व विस्तार, फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, ब्लॉग लिंकडिन, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, टिक-टॉक, स्काइप आदि सोशल प्लेटफॉर्म का परिचय एवं उपादेयता।

कुल अंक : 100

प्र. पत्र 2. सिनेमा सैद्धांतिकी और स्वरूप

सिनेमा अभिप्राय एवं स्वरूप, सिनेमा की इतिहास-यात्रा,

सिनेमा के प्रकारः लोकप्रिय सिनेमा, समानांतर सिनेमा, कला-सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा, एनिमेशन डॉक्यूमेंट्री, विज्ञापन आदि

सिनेमा के विषय क्षेत्र सामाजिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, राजनीतिक, पारिवारिक, कॉमेडी, हॉरर आदि,

सिनेमा का अर्थशास्त्र एवं प्रबंधन, सिनेमा की मार्केटिंग तकनीक, सिनेमा प्रमोशन, सिनेमा का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार, सिनेमा-समीक्षा, सेंसर बोर्ड,

फिल्म निर्माण की तकनीक व उसके उपकरण

सिनेमा में स्पेशल इफेक्ट का परिचय, सिनेमा और अनुवाद, सिनेमा संबंधित तकनीकी शब्दावली,

सिनेमा संपादन परिचय एवं प्रक्रिया ।

कुल अंक : 100

प्र. पत्र 3. मीडिया एवं फिल्म लेखन

प्रिंट मीडिया लेखन एवं भाषाः समाचार लेखन, संपादकीय लेखन, फीचर लेखन, विज्ञापन लेखन, विचारपरक लेखन, साक्षात्कार लेखन और संपादक के नाम पत्र ।

रेडियो लेखन एवं भाषाः समाचार आधारित प्रसारण, रेडियो रिपोर्ट, रेडियो के लिए समाचार तैयार करना और उनका वाचन, विशिष्ट श्रोता वर्ग के लिए कार्यक्रम उद्घोषणा तैयार करना, ऑडियो मिक्सिंग, रेडियो विज्ञापन निर्माण, रेडियो के विविध कार्यक्रर्मी के भाषागत वैशिष्ट्य एवं प्रस्तुति कौशल।

टेलीविजन लेखन एवं भाषा टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लिए लेखन, भाषा-शैली एवं प्रयुक्ति, कैमरा संचालन, वीडियो संपादन, टेलीविजन विज्ञापन निर्माण व वैशिष्टय ।

न्यू मीडियाः वेब पेज निर्माण, वेब-समाचार, ब्लॉग लेखन, इंटरनेट विज्ञापन, न्यू मीडिया लेखन और उसकी भाषा,

ई-पत्रिकाओं के लिए लेखन व पेज निर्माण।

फिल्म के लिए कहानी, पटकथा, संवाद, गीत, संगीत आदि का लेखन एवं उसकी भाषा का अध्ययन।

डॉक्यूमेंट्री लेखन, एनिमेशन लेखन, सबटाइटलिंग आदि का परिचय ।

कुल अंक : 100

AEC 1 – सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन

इकाई 1. सोशल मीडिया और ब्लॉग

सोशल मीडिया : अर्थ और परिभाषा

सोशल मीडिया का प्रभाव और महत्व

सोशल मीडिया के प्रकार (विकिपीडिया, ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, एक्स,यूट्यूब,इंस्टाग्राम आदि)

ब्लॉग लेखन : सामान्य परिचय

इकाई 2. सोशल मीडिया का व्यावहारिक पक्ष

किसी सामाजिक अभियान के प्रचार के लिए सोशल मीडिया हेतु एक विज्ञापन तैयार करना

अपना निजी ब्लॉग तैयार करने की प्रक्रिया

सोशल मीडिया से बनने वाली किसी खबर पर रिपोर्ट तैयार करना

सोशल मीडिया से संबंधित विविध विषयों पर आलेख तैयार करना

कुल अंक 100

सेमेस्टर – 2

प्रश्न पत्र : 4 न्यू मीडिया : जनसंचार के नए परिदृश्य

न्यू मीडिया अभिप्राय एवं स्वरूप,

न्यू मीडिया कल आज और कल,

न्यू मीडिया के सामाजिक सरोकार,

न्यू मीडिया लेखन के विविध आयामः सूचना एवं संचार लेखन, सृजनात्मक लेखन एवं समाचारेतर लेखन,

सोशल मीडिया विविध पक्षः सोशल मीडिया समाज और संस्कृति, जन-आंदोलन और सोशल मीडिया

सोशल नेटवर्किंग साइट्सः विकास प्रयोग एवं प्रक्रिया तथा भाषागत वैशिष्ट्य

इंटरनेट, ब्लॉग, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, टिक-टॉक, मैसेज, यूट्यूब, जूम, गूगल मीट, वेबेक्स, वेब-संचार आदि का परिचय एवं उपादेयता।

कुल अंक 100

प्र. पत्र 5. फिल्म अध्ययन नई दिशाएँ

फिल्म सामान्य परिचय हिंदी फिल्म, क्षेत्रीय फिल्म व विदेशी फिल्म ।

फिल्म ज्ञान-विज्ञान शिक्षा एवं मनोरंजन का सशक्त माध्यम ।

सिनेमा तकनीक सिनेमैटोग्राफी, पटकथा, अभिनय, संवाद, संगीत, नृत्य, कैमरा, लाइट, निर्देशक आदि

भारतीय सिनेमा में गीत, संगीत और नृत्य आदि की भूमिका, मनोविज्ञान व सिनेमा।

सिनेमा की आषा विजुअल और शार्ट के आधार पर।

फिल्म निर्माण प्रशिक्षण संस्थानों का परिचय ।

2000 के बाद हिंदी हिंदी सिनेमा में बदलाव रीमेक फिल्म, बायोपिक फिल्म, कॉन फिल्म, सौ करोड़ी क्लब की फिल्म, सीक्वल फिल्में, लिव इन रिलेशनशिप पर आधारित फिल्में, कुछ प्रमुख फिल्मों की समीक्षा ।

कुल अंक : 100

प्र. पत्र 6. मीडिया एवं फिल्म प्रोडक्शन

प्रिंट मीडिया प्रोडक्शन लेटरप्रेस, ऑफसेट प्रेस, डी.टी.पी., क्वार्क एक्सप्रेस, पेपर पार्टनर इंफॉर्मेशन (पीपीआई), कांटेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) क्यूलिंक्स, सीएस- 4. ग्राफिक्स, कंपोजिंग के अन्य आयाम,

पत्र-पत्रिकाओं के प्रकाशन प्रक्रिया एवं संरचना, लेआउट, डिजाइन, उसी निर्माण, मेकअप, फोटो चयन, कैप्शन संयोजक ।

रेडियो प्रोडक्शन प्रस्तुति तकनीक, रेडियो स्टूडियो और उसके उपकरण,

रिकॉर्डिंग एवं संपादन प्रक्रिया, साउंड की अवधारणा मिक्सिंग और डबिंग तकनीक, वॉइस माड्यूलेशन कार्यक्रम निर्माण एवं प्रसारण के अन्य आयाम।

टेलीविजन वीडियो प्रोडक्शन टेलीविजन प्रसारण तकनीक, टेलीविजन स्टूडियो और उसके उपकरण, वीडियो प्रोडक्शन एवं संपादन,

टेलीविजन कार्यक्रम निर्माण, प्रोडक्शन प्रबंधन एवं तकनीकी टीम, कैमरा एवं प्रकाश व्यवस्था।

फिल्म एवं वेब प्रोडक्शन फिल्म निर्माण प्रक्रिया स्टूडियो एवं उसके उपकरण, प्रोडक्शन डिजाइन, सिनेमॅटोग्राफी, कैमरा मूवमेंट, प्रकाश व्यवस्था, कॉस्ट्यूम एवं मेकअप,

स्पेशल इफेक्ट्स एवं संपादन, वेब पोर्टल निर्माण, एचटीएमएल संरचना एवं कार्य वेब पेज डिजाइन, हाइपर लिंक्स ।

कुल अंक : 100

AEC 2 : जनसंचार और रचनात्मक लेखन

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन का स्वरूप

रचनात्मक लेखन का अर्थ और स्वरूप

रचनात्मक लेखन के विविध रूप

जनसंचार माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन

जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा

इकाई 2 : विविध माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन

प्रिंट माध्यमों के लिए लेखन (साक्षात्कार, यात्रा अनुभव लेखन)

इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन (संवाद लेखन और गीत)

विज्ञापन लेखन

कुल अंक 100

मूलत: प्रायोगिक कार्य –

समाचार पत्र का डमी निर्माण ।

रेडियो के लिए किसी विशिष्ट व्यक्ति का साक्षात्कार या प्रासंगिक विषय पर समूह परिचर्चा का संयोजन।

टेलीविजन के लिए एक लघु वृत चित्र का निर्माण ।

इंडोर या आउटडोर शूटिंग द्वारा 10 मिनट का फिल्म निर्माण ।

ऑनलाइन पत्र-पत्रिकाओं का पेज निर्माण ।

रिसोर्स पर्सन :

प्रो० कुमुद शर्मा, (विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) : श्री अजय झा (News 24)

प्रो० जगदीश्वर चतुर्वेदी (वरिष्ठ मीडिया चिंतक) : श्री अभिनव उपाध्याय

श्री अखिलेन्द्र मिश्र (मशहूर फिल्म/टेलीविजन अभिनेता) : डॉ. अमरनाथ अमर

प्रो० पूरनचंद टंडन, (वरिष्ठ प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय) : डॉ. हिरण्य हिमकर

श्री अशोक श्रीवास्तव (दूरदर्शन) : सुश्री प्रियंका कटारिया (पत्रकार)

श्री मनोज भावुक (वरिष्ठ पत्रकार/गीतकार) : श्री रामावतार बैरवा (आकाशवाणी)

श्री अभिनय उपाध्याय (पत्रकार) : श्री राजेश कुमार (जी. न्यूज)

श्री विवेक श्रीवास्तव (ए.बी.पी. न्यूज) : सुश्री वर्तिका नंदा (मीडिया चिंतक)

श्री अरविन्द मोहन (वरिष्ठ पत्रकार) : श्री रवीश रंजन शुक्ला (NDTV इंडिया)

श्री राजशेखर (गीतकार)

सुश्री सिक्ता देव (NDTV इंडिया)

श्री संजीव झा (कहानी पटकथा लेखक)

रामानुजन महाविद्यालय

(NAAC द्वारा A++ ग्रेड प्रदत्त)

दिल्ली विश्वविद्यालय

संरक्षक

प्रो. डॉ. के. लता

प्राचार्या (कार्यवाहक)

रामानुजन महाविद्यालय

पाठ्यक्रम संयोजक

डॉ. आलोक रंजन पाण्डेय

एसोसिएट प्रोफेसर

रामानुजन महाविद्यालय